Hindi Sample Paper - 12

SECTION-IA : हिन्दी

1. **प्रश्न में चार शब्द दिये गये हैं जिनमें से तीन अनेकार्थक शब्द की श्रेणी में आते हैं। जो शब्द इस श्रेणी में नहीं आता है, वही आपका उत्तर है।**
   (a) इन्द्र (b) सिंह
   (c) ब्राह्मण (d) सूर्य
2. **इस प्रश्न में एक वाक्य दिया गया है जिसमें त्रुटि है। इसके नीचे चार विकल्प दिये गये हैं, जिसमें एक सही है। सही विकल्प चुनिये।**
   जो मिठाइयाँ पसन्द हों आप खा लो-
   (a) जो मिठाई पसन्द हों आप खा लो
   (b) जो मिठाई पसन्द हों तुम खा लो
   (c) जो मिठाइयाँ पसन्द हों तुम खा लो
   (d) जो मिठाइयाँ पसन्द हों उन्हें आप खाइये
3. **'अहा! आप आ गए' वाक्य में 'अहा' शब्द है–**
   (a) संज्ञा (b) सर्वनाम
   (c) अव्यय (d) विशेषण
4. **उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सन् 1947 ई. में गठित 'देवनागरी लिपि सुधार समिति' के अध्यक्ष थे–**
   (a) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
   (b) संपूर्णानंद
   (c) आचार्य नरेन्द्र देव
   (d) इनमें से कोई नहीं
5. **भूतकाल के कितने भेद हैं?**
   (a) सात (b) छह:
   (c) नौ (d) चार
6. **'मेरे घर से आपका घर पाँच किलोमीटर दूर है।' इस वाक्य में 'घर से' में कौन-सा कारक है?**
   (a) कर्म
   (b) करण
   (c) सम्बन्ध
   (d) अपादान
7. **निम्नांकित वाक्यों में क्रिया-विशेषण युक्त वाक्य कौन-सा है?**
   (a) मैं कल नहीं जाऊँगा
   (b) यह फूल सुन्दर है
   (c) लड़का रोते-रोते घर पहुँचा
   (d) आज शाम को मत आना।
8. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द कमल का पर्यायवाची नहीं है?**
   (a) सरोज (b) जलद्
   (c) पंकज (d) जलजात
9. **'तव्यत्' और 'अनीयर' प्रत्यय का प्रयोग होता है–**
   (a) करने के अर्थ में
   (b) चाहिए के अर्थ में
   (c) चुका है के अर्थ में
   (d) इनमें से कोई नहीं
10. **'वीर रस' का स्थायी भाव है–**
    (a) स्फूर्ति (b) युद्ध
    (c) उत्साह (d) विरक्ति
11. **'नीलोत्पल' शब्द में समास है–**
    (a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
    (c) कर्मधारय (d) बहुब्रीहि
12. **यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' आए तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं। यह स्वर संधि कहलाती है–**
    (a) दीर्घ स्वर संधि
    (b) वृद्धि स्वर संधि
    (c) गुण स्वर संधि
    (d) अयादि स्वर संधि
13. **'राष्ट्र' की भाववाचक संज्ञा है–**
    (a) राष्ट्री (b) राष्ट्रीय
    (c) सौराष्ट्र (d) राष्ट्रीयता
14. **''कोई'' और ''कुछ'' का प्रयोग इनमें से किस सर्वनाम में किया जाता है?**
    (a) संबंधवाचक सर्वनाम
    (b) निश्चयवाचक सर्वनाम
    (c) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
    (d) निजवाचक सर्वनाम
15. **तृण**
    (a) तुच्छ, अलप (b) घास, पत्ता
    (c) तिनका, घास (d) लता, द्रुम
16. **वर्तनी की दृष्टि से इनमें अशुद्ध शब्द है–**
    (a) यानि (b) यानी
    (c) सूची (d) शुष्क
17. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**
    (a) ओझा - उपाध्याय
    (b) कपास - कर्पट
    (c) केला - कदली
    (d) पसीना - प्रस्विन्न
18. **निम्नलिखित में से किस शब्द में 'उपसर्ग' है?**
    (a) लालिमा
    (b) पराजय
    (c) दशक
    (d) कारीगर
19. **निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य कर्मवाच्य का उदाहरण है?**
    (a) शीला से पढ़ा भी नहीं जाता
    (b) शीला से हंसा भी नहीं जाता
    (c) शीला से चला भी नहीं जाता
    (d) शीला से हिला भी नहीं जाता
20. **'जो पहले कभी न हुआ हो' वाक्यांश के लिए प्रयुक्त शुद्ध एक शब्द है–**
    (a) अपूर्व
    (b) अभूतपूर्व
    (c) अद्वितीय
    (d) इनमें से कोई भी नहीं
21. **'काला घोड़ा तेज दौड़ता है' में क्रिया विशेषण है–**
    (a) घोड़ा
    (b) काला
    (c) तेज
    (d) दौड़ता है
22. **'प्रसन्नता' शब्द में कौन-सी ध्वनि है?**
    (a) संयुक्त ध्वनि
    (b) सम्पृक्त ध्वनि
    (c) युग्मक ध्वनि
    (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
23. **'उच्छवास' का सही संधि-विच्छेद है–**
    (a) उच् + श्वास
    (b) उच् + छवास
    (c) उत् + श्वास
    (d) उत् + छवास
24. **निम्न में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य नहीं है?**
    (a) एक विज्ञान गोष्ठी हुई जिनमें अनेक वक्ता बोले
    (b) वह परिश्रमी ही नहीं वरन् ईमानदार भी है
    (c) मैंने एक पुस्तक खरीदी जो नई है
    (d) यह वही बच्चा है जिसे बैल ने मारा

निर्देश (25-26)– निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द चुनें।

25. **कृतज्ञ**
(a) कृतघ्न (b) अभ्यस्त
(c) सम्पादित (d) कर्त्तव्य

26. **संकीर्ण**
(a) उत्कीर्ण (b) उदार
(c) विकीर्ण (d) अनुदार

निर्देश (27-28)– निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द चुनें।

27. **मृगधर**
(a) सिंह (b) चंद्रमा
(c) शिव (d) मयूर

28. **पराग**
(a) भारती (b) फूल
(c) सुगंध (d) सुकुमार

29. **खड़ी बोली हिंदी का प्रथम महाकाव्य है–**
(a) कामायनी
(b) रामचरितमानस
(c) साकेत
(d) प्रिय प्रवास

30. **किस काव्य कृति पर अज्ञेय को 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार प्राप्त हुआ था?**
(a) सागर मुद्रा
(b) कितनी नावों में कितनी बार
(c) इत्यलम्
(d) आंगन के पार द्वार

31. **निम्नलिखित में से किस कवि ने सिर्फ अवधी भाषा में ही रचना की?**
(a) कबीर
(b) सूरदास
(c) तुलसी
(d) जायसी

32. **''गला फाड़ना'' मुहावरे का सही अर्थ है–**
(a) नमक का पानी पीना
(b) जोर से चिल्लाना
(c) गर्दन घुमाना
(d) गीत गाना

33. **''कष्टों से घिर जाना'' निम्न में से किस मुहावरे का अर्थ है?**
(a) अथाह सागर में डूबना
(b) अनजान बनना
(c) रोना-गाना
(d) इनमें से कोई नहीं

34. **''अन्धे पीसे कुत्ते खाएँ'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) बेहिसाब काम करना
(b) असावधानी से अयोग्य को लाभ
(c) व्यक्ति के परिश्रम का लाभ उसे न मिलकर किसी और को मिलना
(d) अपना माल लुटाना

35. **''फिसल पड़े तो हर गंगा'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) मजबूरी में काम करना
(b) नुकसान उठाना
(c) एक साथ दो काम करना
(d) विपत्ति पड़ने पर ईश्वर का स्मरण करना

निर्देश–(प्रश्न 36–40) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्राचीन काल में शिक्षा का लक्ष्य चारों वेदों का पूर्ण ज्ञान तथा दर्शन, गणित विद्या, इतिहास पुराण का ज्ञान था। वैदिक भारत के पाठ्य-विषय व्यापक थे। पूर्व वैदिक काल में वेदमन्त्र, इतिहास आदि पाठ्य विषय थे। उत्तर वैदिक काल में वेदों की व्याख्याओं एवं ब्राह्मण ग्रन्थों को पाठ्य-विषय में सम्मिलित किया गया।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र में आन्वीक्षिकी (तर्क शास्त्र), वेदत्रयी (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद), वार्ता (कृषि और पशुपालन), दण्डनीति (राजनीति शास्त्र) का उल्लेख हुआ है। वायु पुराण में अट्ठारह विधाओं का वर्णन हुआ है। इनमें चार वेद, छः वेदांग, पुराण न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र, धनुर्वेद, गन्धर्ववेद और अर्थशास्त्र को शामिल किया गया है। मत्स्य पुराण में भी व्याकरणादि छः अंगों सहित चारों वेद, पुराण, न्यायशास्त्र, मीमांसा और धर्मशास्त्र का उल्लेख हुआ है। कालिदास ने भी रघुवंश में चौदह विद्याओं–चार वेद, छः वेदांग, मीमांसा, न्याय पुराण और धर्मशास्त्र का वर्णन किया है। गरुड़ पुराण में चार विद्याओं को और जोड़ा गया है। आयुर्वेद, धनुर्वेद, गन्धर्ववेद एवं अर्थशास्त्र। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारत में चार वेद, इतिहास, पुराण, व्याकरण, गणित, ज्योतिष, छः वेदांग, काव्यशास्त्र, शिल्प शिक्षा आदि अध्ययन के प्रमुख विषय थे। क्षत्रियों को हस्ति, अश्व, रथ, धनुष की शिक्षा में प्रवीण किया जाता था। वैश्यों की शिक्षा के सम्बन्ध में मनु का कथन है कि इन्हें तीनों वेदों के अध्ययन के अतिरिक्त व्यापार, पशु-पालन, कृषि, विभिन्न रत्नों, मूँगों, मोतियों, धातुओं आदि के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। प्राचीन भारत की राजतन्त्रात्मक शासन प्रणाली के अन्तर्गत राजा की स्थिति अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होती थी। शासन की सफलता राजा की योग्यताओं पर निर्भर करती थी। यही कारण है कि प्राचीन मनीषियों ने राजा की योग्यताओं पर प्रकाश डालते हुए उन विद्याओं का उल्लेख किया है जिनका अध्ययन उसके लिए अनिवार्य था। साधारणतः राजकुमारों की शिक्षा हेतु शिक्षकों की अलग से नियुक्ति की जाती थी। गौतम के अनुसार, राजा को तीनों वेदों, आन्वीक्षिकी का ज्ञाता तथा अपने कर्त्तव्य पालन में वेदों, धर्मशास्त्रों, वेद के सहायक ग्रन्थों, उपवेदों और पुराणों का आश्रय लेना चाहिए। मनु और याज्ञवल्क्य ने राजा को तीनों वेदों का ज्ञाता, आन्वीक्षिकी, दण्डनीति एवं वार्ता के सम्बन्ध में जानकारी रखने का निर्देश दिया है।

36. **प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से क्या हो सकता है?**
(a) प्राचीन काल में शिक्षा
(b) प्राचीन काल में अध्ययन के विषय
(c) भारतीय शिक्षा प्रणाली
(d) भारतीय ज्ञान

37. **वैदिक काल में निम्नलिखित में से किस विषय की शिक्षा दी जाती थी?**
(a) व्याकरण
(b) निरुक्त
(c) ज्योतिष
(d) ये सभी

38. **वेदत्रयी के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किसे शामिल नहीं किया जाता है?**
(a) ऋग्वेद
(b) सामवेद
(c) अथर्ववेद
(d) यजुर्वेद

39. **वायु पुराण में निम्नलिखित में से किस विषय को शामिल नहीं किया जाता है?**
(a) न्याय
(b) वेद
(c) अर्थशास्त्र
(d) उपनिषद्

40. **मनु के अनुसार वैश्यों को निम्नलिखित में से किस विषय की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए?**
(a) वेद
(b) व्यापार
(c) धातुओं का ज्ञान
(d) ये सभी

41. **'झीनी-झीनी बीनी चदरिया' किस उपन्यासकार की कृति है?**
(a) राही मासूम रजा
(b) अब्दुल बिस्मिल्लाह
(c) असगर वजाहत
(d) मुद्राराक्षस

42. **'प्रबोध पचासा' ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?**
(a) रामानंद
(b) कबीर
(c) मतिराम
(d) पद्माकर

43. **'प्रेम का पंथ कराल महा, तरवारि की धार पै धावनो है।' इस पंक्ति के रचयिता हैं-**
(a) आलम
(b) मतिराम
(c) घनानंद
(d) बोधा

44. **निम्नलिखित में से साम्प्रदायिक समस्या पर लिखा गया उपन्यास कौन-सा है?**
(a) तमस
(b) बलचनमा
(c) अपने-अपने अजनबी
(d) बूँद और समुद्र

45. **'कलश' का पर्याय है–**
(a) जल
(b) कुम्भ
(c) पात्र
(d) उपस्कर

निर्देश : गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 46 से 50) में सबसे उचित विकल्प चुनिए-

लोक कथाएँ हमारे आम जीवन में सदियों से रची-बसी हैं। इन्हें हम अपने बड़े-बूढ़ों से बचपन से ही सुनते आ रहे हैं। लोक कथाओं के बारे में यह भी कहा जाता है कि बचपन के शुरुआती वर्षों में बच्चों को अपने परिवेश की महक, सोच व कल्पना की उड़ान देने के लिए इनका उपयोग जरूरी है। हम यह भी सुनते हैं कि बच्चों के भाषा के विकास के संदर्भ में भी इन कथाओं की उपयोगिता महत्त्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन लोक कथाओं के विभिन्न रूपों में हमें लोक जीवन के तत्त्व मिलते हैं, जो बच्चों के भाषा विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। अगर हम अपनी पढ़ी हुई लोक कथाओं को याद करें तो सहजता से हमें इनके कई उदाहरण मिल जाते हैं। जब हम कहानी सुना रहे होते हैं तो बच्चों से हमारी यह अपेक्षा रहती है कि वे पहले घटी घटनाओं को जरूर दोहराएँ। बच्चे भी घटना को याद रखते हुए साथ-साथ मजे से दोहराते हैं। इस तरह कथा सुनाने की इस प्रक्रिया में बच्चे इन घटनाओं को एक क्रम में रखकर देखते हैं। इन क्रमिक घटनाओं में एक तर्क होता है जो बच्चों के मनोभावों से मिलता-जुलता है।

(*क्या बताती हैं लोक कथाएँ - कमलेश चंद्र जोशी*)

46. **लोक कथाओं में शामिल हैं –**
(a) लोक कल्पना
(b) लोक जीवन के रंग
(c) लोक की उड़ान
(d) घटनाएँ

47. **लोक कथाओं में किस परिवेश की महक की बात की गई है?**
(a) बच्चों के आस-पास मौजूद परिवेश की
(b) शहरी परिवेश की
(c) विद्यालयी परिवेश की
(d) ग्रामीण परिवेश की

48. **बच्चों से हमारी क्या अपेक्षा रहती है?**
(a) वे कहानी की घटनाओं को याद रखें ताकि आगे की कहानी से जुड़ा जा सके
(b) कहानी सुनना
(c) घटनाओं की भाषा को समझना
(d) वे कहानी में मजे लें

49. **अनुच्छेद के आधार पर कहा जा सकता है कि इसका मुख्य बिन्दु है–**
(a) लोक कथाओं में लोक तत्त्व होता है
(b) लोक कथाओं के माध्यम से कल्पना, तर्क और भाषा का विकास किया जा सकता है
(c) कहानी में याद रखना जरूरी है
(d) लोक कथाएँ हमारे जीवन का हिस्सा हैं

50. **'परिवेश की महक' पद का अर्थ है–**
(a) परिवेश की गंध
(b) परिवेश की विशिष्टताएँ, सीमाएँ
(c) परिवेश की कहानियाँ
(d) परिवेश की खुशबू

SECTION-IA : हिन्दी

1. (c) इन्द्र, सिंह और सूर्य अनेकार्थक शब्द की श्रेणी में आते हैं।

2. (d) जो मिठाइयाँ पसन्द हों उन्हें आप खाइये।

3. (c) 'अहा! आप आ गए' वाक्य में 'अहा' शब्द अव्यय है। 'अव्यय' ऐसे शब्द को कहते हैं, जिसके रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक इत्यादि के कारण कोई विकार उत्पन्न नहीं होता है।

संज्ञा - संज्ञा उस विकारी शब्द को कहते हैं, जिससे किसी विशेष वस्तु, भाव और जीव के नाम का बोध हो।

सर्वनाम - सर्वनाम उस विकारी शब्द को कहते हैं जो किसी भी संज्ञा के स्थान पर आता है।

विशेषण - जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते हैं। जिसकी विशेषता बताई जाए, वह विशेष्य कहलाता है।

4. (c) देवनागरी लिपि के सुधार के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने सन् 1947 ई. में आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जिसने सब सुझावों का आकलन और अध्ययन करने के बाद अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की।

5. (b) भूत काल के छः भेद हैं।

सामान्य भूत - सीता गयी।
आसन्न भूत - सीता गयी है।
पूर्ण भूत - सीता गयी है।
अपूर्ण भूत - सीता जा रही थी।
संदिग्ध भूत - सीता गयी होगी।
हेतुहेतुमद भूत -
यदि सीता जाती तो वह जाता।

6. (d) 7. (c)

8. (b) 'जलद' 'बादल' का पर्यावाची शब्द है। बादल के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- मेघ, धर, अभ्र, जीमूत, नीरद, वारिधर, पयोदि, जलधर, बलाधर, पर जन्य, पयोधर एवं सारंग। जबकि सरोज, पंकज एवं जलजात 'कमल' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'कमल' के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- उत्पल, कुवलय, इन्दीवर, पद्म, नलिन, अरविन्द, शतपत्र, सरसिज, शतदल, सरसीरुह, राजीव, कंज, अभ्भोज, पायोज, पुण्डरीक, वारिज, सरोरुह, जलज, नीरज, कोकनद आदि।

9. (b)

10.(c) 'वीर रस' का स्थायी भाव 'उत्साह' है। उत्साह नामक स्थायी भाव जब विभावादि के संयोग से परिपक्व होकर रस रूप में परिणत होता हैं तब वही वीर रस कहलाता है। वीर रस के चार भेद होते हैं-(1) युद्धवीर (2) दानवीर (3) धर्मवीर (4) दयावीर।

11.(c) 'नीलोत्पल' शब्द में कर्मधारय समास है जिसका विग्रह 'नीला है जो उत्पल' होता है। जिस समास के दोनों पदों में विशेष्य-विशेषण या उपमेय-उपमान सम्बन्ध हो तथा दोनों पदों में एक ही कारक की विभक्ति आये, उसे कर्मधारय समास कहते हैं। अन्य पद प्रधान समास को बहुब्रीहि समास कहते हैं। जिस समास में पहला पद प्रधान होता है तथा समस्त पद अव्यय का काम करता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। जिस समास में दूसरा पद प्रधान होता है तथा विभक्ति चिन्हों का लोप हो जाता हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

12.(c) यदि 'अ' और 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' आये तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं। यह गुण स्वर संधि कहलाती है। जैसे-देव + इन्द्र = देवेन्द्र, महा + ईश = महेश। इसी संधि की आगे की व्याख्या है कि यदि 'अ' अथवा 'आ' के बाद 'उ' या 'ऊ' हो तो दोनों मिलकर 'ओ' हो जाता है और 'अ' अथवा 'आ' के बाद 'ऋ' हो तो दोनों मिलकर 'अर' हो जाते हैं।

13.(d)

14.(c) सर्वनाम में छः भेद होते हैं, जिनमें अनिश्चयवाचक एक है। जिन सर्वनामों से वस्तु या व्यक्ति का निश्चय न जाना जाए, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे-कोई, कुछ।

15.(c) तृण के पर्यायवाची शब्द तिनका एवं घास हैं।

16.(a) वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द 'यानि' है। जबकि इसका शुद्ध रूप 'यानी' होगा। 'यानी', 'सूची' एवं 'शुष्क' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

17.(b) प्रदत विकल्पों में 'कपास-कर्पट' युग्म सुमेलित नहीं है। 'कपास' का तत्सम शब्द 'कर्पास' होता है। 'ओझा' का तत्सम शब्द 'उपाध्याय' है। 'केला' का तत्सम शब्द 'कदली' है तथा 'पसीना' का तत्सम शब्द 'प्रस्विन्न' है।

18.(b)

19.(a) उपर्युक्त वाक्य कर्मवाच्य का उदाहरण है। इस वाक्य में पढ़ा भी नहीं जाना कर्म (पुस्तक जो कि वाक्य में नहीं है) के अनुरूप है और क्रिया का उद्देश्य भी कर्म (पुस्तक) है। क्रिया के उस रूपांतर को कर्मवाच्य कहते हैं, जिससे कर्म की प्रधानता का बोध हो। इसमें वाक्य की क्रिया के लिंग एवं पुरुष कर्म के लिंग वचन एवं पुरुष के अनुसार होते हैं। साथ ही क्रिया के व्यापार का प्रभाव कर्म पर पड़ता है।

20. (b) 'जो पहले कभी न हुआ हो' वाक्यांश के लिए प्रयुक्त शुद्ध एक शब्द-'अभूतपूर्व' है। इसी तरह 'जो पहले हो रहा हो या न हुआ हो' वाक्यांश के लिए एक शुद्ध शब्द होगा-'अपूर्व'। इसी तरह जिसके समान कोई दूसरा न हो के लिए एक शुद्ध शब्द-'अद्वितीय' होगा।

21. (c) काला घोड़ा तेज दौड़ता है। क्रिया के पूर्व लगने वाला विशेषण क्रिया विशेषण होता है। अतः यहां पर तेज क्रिया विशेषण है।

22. (c) जब एक ही ध्वनि का द्वित्व हो जाये तब वह 'युग्मक ध्वनि' कहलाती है।

23.(c) उत् + श्वास = उच्छवास
यह व्यंजन संधि है।

24.(b) 'वह परिश्रमी ही नहीं वरन् ईमानदार भी है।' यह मिश्र वाक्य नहीं है बल्कि संयुक्त वाक्य है।

जब दो या अधिक सरल वाक्य (उपवाक्य) समुच्चय बोधक अव्यय के माध्यम से जुड़े हों तो उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं।

25.(a) कृतज्ञ का विलोम 'कृतघ्न' होगा।

26.(c) संकीर्ण का विलोम 'विकीर्ण' होगा। उदार का विलोम अनुदार होगा।

27.(c) 'मृगधर' शिव का पर्यायवाची है इसके अन्य पर्यायवाची -उमापति, त्रिपुरारि, महेश, देवाधिदेव आदि हैं।

28.(c) पराग के पर्यायवाची शब्द सुगंध, खुशबू, परिमल, सुरभि, महक आदि होते हैं।

फूल के पर्यायवाची-कुसुम, सुमन, पुष्प।

भारती के पर्यायवाची-सरस्वती, शारदा, वीणावादिनी।

सुकुमार के पर्यायवाची-वसंत, ऋतुराज, ऋतुपति आदि होंगे।

29. (d) 'प्रिय प्रवास' खड़ी बोली में लिखा गया प्रथम महाकाव्य है। इसके रचनाकार अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' जी हैं, इसमें राधा और कृष्ण को सामान्य नायक-नायिका के स्तर से ऊपर उठाकर विश्व-सेवी तथा विश्व-प्रेमी के रूप में चित्रित किया गया है। इनकी अन्य रचनाओं में पद्यमप्रसून, चुभते चौपदे, चोखे चौपदे, बोलचाल, रसकलस तथा वैदेही-वनवास प्रसिद्ध हैं। 'कामायनी' के रचनाकार जयशंकर प्रसाद हैं। 'रामचरितमानस' तुलसीदास की कृति है तथा 'साकेत' मैथिलीशरण गुप्त की रचना है।

30. (b) 'कितनी नावों में कितनी बार' नामक काव्य कृति पर अज्ञेय को 1978 का ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था। अज्ञेय की प्रमुख काव्य-कृतियां हैं-हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, इन्द्रधनुष रौंदे हुए, अरी ओ करुणा प्रभामय, आंगन के पार द्वार, सागर मुद्रा, महावृक्ष के नीचे, क्योंकि मैं उसे जानता हूँ, नदी की बॉक पर छाया, असाध्य वीणा, चिन्ता, इत्यलम आदि।

31. (d) जायसी ने अपनी रचनाओं में ठेठ अवधी के पूर्वीपन को अपनाया है। उन्होंने अवधी भाषा का इतना सफल प्रयोग किया है कि वे कदाचित् हिन्दी के अमर ग्रन्थ रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास के भी इस दिशा में पथ-प्रदर्शक कहे जा सकते हैं। इनकी प्रमुख रचनाएं हैं-पद्मावत, अखरावट, आखिरी कलाम, चित्ररेखा कहरनामा, मसलनामा, और कान्हावत। कबीर की भाषा खिचड़ी भाषा है। तुलसी की भाज़ा ब्रज एवं अवधी दोनों हैं, जबकि सूरदास की भाषा ब्रज है।

32. (b) मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपने वाचिक अर्थ का बोध न कराकर लाक्षणिक या व्यांगिक अर्थ का बोध कराता है और भाषा में सजीवता एवं अर्थ गौरव बढ़ाने में सहायक होता है। दिए गए मुहावरे 'गला फाड़ना' का सही अर्थ 'जोर से चिल्लाना' होता है।

33. (a) दिए गए मुहावरे 'कष्टों से घिर जाना' का सही अर्थ–अथाह सागर में डूबना होता है।

34. (c)

35. (a) दी गई लोकोक्ति 'फिसल पड़े तो हर गंगा' का सही अर्थ मजबूरी में काम करना है।

36. (b) 37. (d) 38. (c) 39. (d)

40. (d)

41. (b) 'झीनी-झीनी बीनी चदरिया' अब्दुल बिस्मिल्लाह का उपन्यास है। इस उपन्यासकार की अन्य रचनाएं-जहरवाद, दंत कथा, मुखड़ा क्या देखें हैं।

42. (d) प्रबोध पचासा ग्रन्थ के रचयिता पद्माकर हैं। इनके द्वारा रचित अन्य ग्रन्थ हैं–हिम्मत् बहादुर विरुदावली, पदमाभरण, जगद्विनोद, गंगालहरी, प्रतापसिंह विरुदावली और कलिपच्चीसी। ये रीतिकालीन कवि हैं।

43. (d) ''प्रेम का पंथ कराल महा तरवारि की धार पै धावनो है।'' इस पक्ति के रचयिता बोधा हैं। बोधा रीतिकाल की रीतिमुक्त धारा के कवि थे। वे पन्ना राजदरबार की सुभान नामक वेश्या पर आसक्त थे। प्रेम की परिधि स्वानुभूत व्यंजना करने में बड़े कुशल थे। इनकी भावुकता एवं रसज्ञता का परिचय इस उपर्युक्त पंक्ति में दिखाई पड़ता है।

44. (a) साम्प्रदायिक समस्या पर लिखा गया उपन्यास तमस है। यह भीष्म साहनी द्वारा लिखा गया है। इसमें विभाजन की मानसिकता एवं उससे लाभ उठाने वाले लोगों को बेनकाब किया गया। **बलचनमा** उपन्यास नागार्जुन का है। अपने-अपने अजनबी अज्ञेय लिखित उपन्यास है। बूँद और समुद्र अमृतलाल नागर का उपन्यास है, जिससे भारतीय समाज के रीति रिवाज, आचार-विचार, जीवन दृष्टि, मर्यादाओं एवं मान्यताओं का चित्रण कथानक द्वारा किया गया है।

45. (b) 46. (b) 47. (a)
48. (a) 49. (b) 50. (b)